(b) whether further sums are to be allotted for the complete rehabilitation of the East Pakistani Refugees in the Fifth Five Year Plan ?

THE MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI K V RAGHUNATHA REDDY) (a) Upto 31st March, 1973 an amount of Rs 191 30 crores has been paid by way of compensation to Displaced Persons who held verified claims and as rehabilitation grant under the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act and Rules framed there-under to those displaced persons who did not file claims or who came late from the former West Pakistan (now Pakistan)

Under the Nehru-Liaquat Pact of April, 1950 the migrants from East Pakistan retained proprietary rights in the properties left behind by them and they could sell, exchange or dispose of their properties in any manner they liked Hence, no compensation was paid to them

(b) Taking into account the magnitude of the problem, provision will be made in the Fifth Five Year Plan for the rehabilitation of migrants from the former East Pakistan

बिहार की कोयला खानो मे दुर्घटनाए

308 श्री वीरेन्द्र कुमार सखलेचा क्या श्रम और पुनर्वास मत्री यह बताने की कृपा करेगे कि

(क) क्या यह सच है कि पिछले तीन मास के दौरान बिहार राज्य के कोयला क्षेत्र मे स्थित कोयला खानो मे गभीर दुर्घटनाए हुई है जिनमे कई मजदूरो की जाने चली गई

(ख) क्या यह भी सच है कि कोयला खानो के राष्ट्रीयकरण के पश्चात इनमे गभीर दुर्घटनाए हुई है और पिछले तीन वर्षों के दौरान हुई इस प्रकार की दुर्घटनाओ मे जितने लोगो की जाने गई उसकी तुलना मे इन दुर्घटनाओ मे सर्वाधिक लोगो की जाने गई, और

(ग) कोयला खानो के राष्ट्रीयकरण के पश्चात सरकार द्वारा मजदूरो की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए गए है ?

†[ACCIDENTS IN COALMINES IN BIHAR

308 SHRI V K SAKHLECHA Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state

(a) whether it is a fact that during the last three months serious accidents have taken place in the coal mines located in the coal fields of Bihar State, in which a number of workers lost their lives ,

(b) whether it is also a fact that serious accidents took place in the coal mines after their nationalisation and the number of people who lost their lives in these accidents was the highest as compared to the number of people who lost their lives in such accidents during the last three years , and

(c) what steps have been taken by Government for the security of the workers after the nationalisation of coal mines ?]

श्रम और पुनर्वास मत्रालय में उपमत्री (श्री जी० वेंकटस्वामी) (क) जीतपुर कालियरी मे 18 मार्च 1973 को हुई दुर्घटना के अलावा जिसमे 48 व्यक्ति मारे गए तेरह और घातक दुर्घटनाये हुई जिनमे 14 श्रमिक मारे गये ।

(ख) जी नहीं राष्ट्रीयकरण के पश्चात जीतपुर कोलियरी की दुर्घटना को छोडकर कोई और गभीर दुर्घटना नही घटी बिहार कोयला क्षेत्रो मे दुर्घटनाओ मे मरे व्यक्तियो की सख्या 1970 मे 116, 1971 मे 125 और 1972 मे 90 थी।

---

†[ ] English translation

(ग) कोयला क्षेत्रों में सुरक्षा विनियमों की प्रभावकारी क्रियान्विति को सुनिश्चित करने के लिए खान सुरक्षा महानिदेशक द्वारा सतत् प्रयास किये जा रहे हैं।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI G VENKAT SWAMY (a) Apart from the Jitpur Colliery disaster which occurred on 18-3-73 involving the loss of 48 lives, there were 13 fatal accidents killing 14 workers

(b) No, there has been no serious accident in coal mines after nationalisation excepting the Jitpur Colliery disaster, the number of persons killed in accidents in Bihar coalfields was 116 in 1970, 125 in 1971 and 90 in 1972

(c) Continuous efforts are being made by Directorate General of Mines Safety to ensure the effective implementation of safety regulations in coalfields]

शरणार्थियों का पुनर्वास

309 **श्री वीरेन्द्र कुमार सखलेचा.**
श्री श्याम लाल गुप्त

क्या **श्रम और पुनर्वास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या जम्मू और काश्मीर सरकार ने छम्ब जाडिया अखनूर क्षेत्र (जम्मू और काश्मीर) से आए शरणार्थियों के पुनर्वास के संबंध में केन्द्रीय सरकार को कोई योजना भेजी है और इस प्रयोजन के लिए कितनी वित्तीय सहायता मांगी गई है और उक्त शरणार्थियों के पुनर्वास के लिए जम्मू और काश्मीर सरकार को कितनी सहायता दी गई है,

(ख) उक्त शरणार्थियों में से कितने-कितने परिवारों को क्रमश जम्मू और काश्मीर सरकार तथा भारत सरकार द्वारा बसाया गया है और उनके पुनर्वास पर कितनी धनराशि व्यय की गई, और

(ग) शेष शरणार्थियों के पुनर्वास का कार्य कब तक पूरा हो जाने की आशा है ?

†[REHABILITATION OF REFUGEES

309 SHRI V K SAKHLECHA
SHRI SHYAMLAL GUPTA

Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state,

(a) whether the Government of Jammu and Kashmir has submitted any scheme to the Central Government with regard to the rehabilitation of the refugees from Chhamb-Jauriyan-Akhnoor area (Jammu and Kashmir) and the amount of financial aid sought for this purpose and the amount which has been made available to the Government of Jammu and Kashmir to rehabilitate the said refugees,

(b) the number of families out of the said refugees which have been rehabilitated by the Government of Jammu and Kashmir and the Government of India respectively and the money spent on their rehabilitation, and

(c) the time by when the rehabilitation programme for the remaining refugees is likely to be completed ?]

श्रम और पुनर्वास मंत्री (श्री के० वी० रघुनाथ रेड्डी) (क) से (ग) जी, हां। जम्मू और काश्मीर की राज्य सरकार से प्राप्त हाल की सूचना के अनुसार 1 27 529 विस्थापित व्यक्तियों को पहले ही बसाया जा चुका है 13,373 को अक्तूबर, 1973 तक बसा दिए जाने का प्रस्ताव है और 7 764 को अप्रैल, 1974 तक बसा दिया जाएगा। छम्ब के 18,422 विस्थापित व्यक्तियों के संबंध में पुनर्वास की योजना राज्य सरकार और भारत सरकार के अधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा तैयार की जाती है। भारत सरकार ने राज्य सरकार को 1971 के भारत पाक संघर्ष द्वारा प्रभावित विस्थापित व्यक्तियों को निर्धारित दरों पर राहत और पुनर्वास सुविधाओं की व्यवस्था पर व्यय करने के अधिकार पहले ही दे दिए हैं। इस सम्पूर्ण व्यय को भारत सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है।

†[ ] English translation